भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

19 MAR 2010

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH L 455517

1

श्री फौजदार सिंह न्यास (श्री फौजदार सिंह ट्रस्ट)

न्यास परिपत्र (ट्रस्ट डीड)

इस विलेख का निष्पादक हम कि डॉ० महेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री फौजदार सिंह, निवासी ग्राम-जमुहाई, पोस्ट-जमुहाई, जिला-जौनपुर (उ०प्र०) का हूँ।

मेरे मन में बहुत दिनों से यह भावना उठ रही थी कि अपने पूर्वजों की इच्छानुसार ऐसे न्यास (ट्रस्ट) की स्थापना करुँ जिससे समाज के लोगों का शैक्षिक, मानसिक, बौद्धिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, शारीरिक एवं आर्थिक उत्थान हो सके और असहाय, अपाहिज, दीन-दुखी तथा निर्धन लोगों का भला एवं कल्याण हो सके। इस समय मेरे पास 21,101.00 (रूपया इक्कीस हजार एक सौ एक मात्र) मौजूद है जिसें मैं इस न्यास को अर्पित कर दिया हूँ। अत: मैं निष्पादक निम्नलिखित शर्तों के अनुसार इस न्यास का सृजन कर रहा हूँ और उसके लिये यह न्यास का विलेख स्वेच्छापूर्वक एवं सहर्ष निष्पादित कर रहा हूँ कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे।

महेन्द्र प्रताप सिंह

भारतीय गैर न्यायिक

भारत

पचास रुपये रु.50

FIFTY RUPEES Rs.50

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

U 069835

1. यह कि इस न्यास का पूर्ण नाम **'श्री फौजदार सिंह न्यास (श्री फौजदार सिंह ट्रस्ट)'** होगा।

2. यह कि इस न्यास का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत वर्ष होगा किन्तु इसका मुख्य कार्यालय जौनपुर (उ०प्र०) में रहेगा।

3. यह कि इस न्यास के न्यासीगण का न्यासीमण्डल न्यूनतम पाँच व्यक्तियों का सदैव रहेगा। इस न्यास के प्रधान न्यासी हम निष्पादक डॉ० महेन्द्र प्रताप सिंह रहेंगे और उनकी सहायता एवं न्यास के कार्य को सही ढंग से संचालन करने के लिए चार और सहायक न्यासी सदस्य रहेंगे जो निम्नलिखित हैं-

    1. श्री हरीश सिंह पुत्र स्व०श्री कुंज विहारी सिंह, ग्राम व पोष्ट-मानापुर, जिला प्रतापगढ़ (उ०प्र०)

    2. श्री नवीन कुमार सिंह पुत्र श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, ग्राम व पोस्ट-जमुहाई, जिला जौनपुर (उ०प्र०)

    3. श्री प्रवीन कुमार सिंह पुत्र श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, ग्राम व पोस्ट-जमुहाई, जिला जौनपुर (उ०प्र०)

    4. श्री सचिन कुमार सिंह पुत्र श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, ग्राम व पोस्ट-जमुहाई, जिला जौनपुर (उ०प्र०)

अन्य सहायक न्यासीगण बनाये गये हैं जिन्होंने अपनी लिखित सहमति एवं स्वीकृति दे दिया है।

महेन्द्र प्रताप सिंह